

हिन्दी विभाग

विश्व हिन्दी दिवस : 10 जनवरी 2025

10 जनवरी 2025 को हिंदी विभाग में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया. दिवस का मुख्य विषय - "मेरा प्रिय साहित्यकार" था. विभागाध्यक्ष हिंदी डॉ रमेश टडन के सयोजन एव दिशा निदेशन में मचासीन छात्रों ने मां शारदे की पूजा की. देवलता साहू और डिगेश्वरी दशन ने छत्तीसगढ़ी राज्य गीत को प्रस्तुति दी, स्वागत उपरांत डॉ आर के टडन ने यूरोशिया, भारोपीय, भारत ईरानी, भारतीय आय भाषा, वैदिक सस्कृत, लौकिक सस्कृत, शौरशनी अपभ्रश, पाश्चमी हिंदी से खड़ी बोली हिंदी को यात्रा को विस्तार से बताया. विशिष्ट आतिथे तोष कुमारी साहू सूरदास के बारे में मुखारत हुई. विशिष्ट आतिथे जीतू जोशी ने हिंदी को विश्व पटल पर स्थापित करने में किये जा रहे प्रयास पर प्रकाश डाला. वक्ता कौशल दास ने विश्व स्तर पर हिंदी को स्थापित पर चिंता व्यक्त करते हुए अंग्रेजी को स्थापित को भी रेखांकित किया. अध्यक्ष को आसदी से उमा साहू ने छात्रों को संबोधित करते हुए अधिक से अधिक हिंदी भाषा को व्यवहार में लाने की बात कही. मुख्य आतिथे के रूप में छात्रा डिगेश्वरी दशन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कबीरदास के बारे में कहा कि ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोय, औरन को शीतल कर आप ही शीतल होय. साथ ही सुश्री दशन ने हिंदी के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डाला. मंच सञ्चालन करते हुए यामिनी राठौर ने कहा कि सस्कृत से जन्मी है हिंदी, शुद्धता का प्रतीक है हिंदी, लेखन और वाणी दोनों को गौरवान्वित करती है हिंदी. एम ए प्रथम सेमेस्टर की छात्र डिलेश्वरी साहू ने मचासीन छात्रों का आभार व्यक्त किया.

कुती सिदार, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, पुष्पा नागवशी, विनायक पटेल, कौशल दास के व्यवस्थापन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभागीय एव अन्य छात्रों पुष्पा नागवशी, मनोज कुमार बैगा, कौशल दास, विनायक पटेल, निशा सिदार, कुती सिदार, राजकुमारी सिदार, देवलता साहू, डिगेश्वरी दशन, काविता यादव, रेशमा महंत, सध्या जायसवाल, अंजुलता, शिवानी, प्रीति राठिया, नमेदा राठिया, डिलेश्वरी साहू, तोष कुमारी साहू, उमा साहू, जीतू जोशी, सुनिता राठिया और यामिनी राठौर आदि को सक्रिय उपास्थापित रही.











शन
हण
त्या
न्द्र
हण
की
नि
हण
के
चत
पुत,
वत
हा।
में
प्रक
के
ने
ने,
में
सी
के
आ
रने
तान
के
रान
मस
वेंद्र
न्य
।

कालेज में विश्व हिंदी दिवस आयोजित

अमृत संदेश । खरसिया

10 जनवरी को हिंदी विभाग में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। दिवस का मुख्य विषय मेरा प्रिय साहित्यकार था। विभागाध्यक्ष हिंदी डॉ रमेश टंडन के संयोजन एवं दिशा निर्देशन में मंचासीन छात्रों ने माँ शारदे की पूजा की। देवलता साहू और डिगेश्वरी दर्शन ने छत्तीसगढ़ी राज्य गीत की प्रस्तुति दी, स्वागत उपरंत डॉ आर के टंडन ने यूरेशिया, भारोपीय, भारत ईरानी, भारतीय आर्य भाषा, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, शौरसेनी अपभ्रंश, पश्चिमी हिंदी से खड़ी बोली हिंदी की यात्रा को विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि तोष कुमारी साहू सुरदास के बारे में मुखरित हुईं। विशिष्ट अतिथि जीतु जोशी ने हिंदी को विश्व पटल पर स्थापित करने में किये जा रहे प्रयास पर प्रकाश डाला। वक्ता कौशल दास ने विश्व स्तर पर हिंदी की स्थिति पर चिंता



व्यक्त करते हुए अंग्रेजी की स्थिति को भी रेखांकित किया। अध्यक्ष की आसंदी से उमा साहू ने छात्रों को संबोधित करते हुए अधिक से अधिक हिंदी भाषा को व्यवहार में लाने की बात कही। मुख्य अतिथि के रूप में छात्रा डिगेश्वरी दर्शन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कबीरदास के बारे में कहा कि ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोय, औरन को शीतल करे आप ही शीतल होय। साथ ही सुश्री दर्शन ने हिंदी के महत्व और उपयोगिता पर

प्रकाश डाला, मंच संचालन करते हुए यामिनी राठीर ने कहा कि संस्कृत से जन्मी है।

हिंदी, शुद्धता का प्रतीक है हिंदी, लेखन और वाणी दोनों को गौरवान्वित करती है हिंदी। एम ए प्रथम सेमेस्टर की छात्र डिगेश्वरी साहू ने मंचासीन छात्रों का आभार व्यक्त किया।

कुंती सिदार, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, पुष्पा नागवंशी, विनायक पटेल, कौशल दास के व्यवस्थापन में आयोजित कार्यक्रम

के दौरान विभागीय एवं अन्य छात्रों पुष्पा नागवंशी, मनोज कुमार बैगा, कौशल दास, विनायक पटेल, निशा सिदार, कुंती सिदार, राजकुमारी सिदार, देवलता साहू, डिगेश्वरी दर्शन, कविता यादव, रेशमा महंत, संध्या जायसवाल, अंजुलता, शिवानी, प्रीति राठिया, नर्मदा राठिया, डिगेश्वरी साहू, तोष कुमारी साहू, उमा साहू, जीतु जोशी, सुनिता राठिया और यामिनी राठीर आदि की सक्रिय उपस्थिति रही।

वे
स्व
झर
प्ले
जा
रोज
प्ले
स्व
पद
सि
झर
वेद
से
मश
फि
पी
औ
शा
हुंटे
भि
सुर
पयं
के
पर

महत्मा गांधी कॉलेज में विश्व हिंदी दिवस आयोजित

खरसिया । 10 जनवरी को हिंदी विभाग में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया. दिवस का मुख्य विषय मेरा प्रिय साहित्यकार था. विभागाध्यक्ष हिंदी डॉ. रमेश टंडन के संयोजन एवं दिशा निर्देशन में मंचासीन छात्रों ने मां शारदे की पूजा की. देवलता साहू और डिगेश्वरी दर्शन ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत की प्रस्तुति दी, स्वागत उपरांत डॉ. आरकं टंडन ने यूरेशिया, भारोपीय, भारत ईरानी, भारतीय आर्य भाषा, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, शौरशेनी अपभ्रंश, पश्चिमी हिंदी से खड़ी बोली हिंदी की यात्रा को विस्तार से बताया. विशिष्ट अतिथि तोष कुमारी साहू सूरदास के बारे में मुखरित हुईं. विशिष्ट अतिथि जीतू जोशी ने हिंदी को विश्व पटल पर स्थापित करने में किये जा रहे प्रयास पर प्रकाश डाला.

वक्ता कौशल दास ने विश्व स्तर पर हिंदी की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अंग्रेजी की स्थिति को भी रेखांकित किया. अध्यक्ष की आसंदी से उमा साहू ने छात्रों को संबोधित करते हुए अधिक से अधिक हिंदी भाषा को व्यवहार में लाने की बात कही. मुख्य अतिथि के रूप में



छात्रा डिगेश्वरी दर्शन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कबीरदास के बारे में कहा कि ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोये, औरन को शीतल करे आप ही शीतल होय. साथ ही सुश्री दर्शन ने हिंदी के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डाला. मंच संचालन करते हुए यामिनी राठौर ने कहा कि संस्कृत से जन्मी है हिंदी, शुद्धता का प्रतीक है हिंदी, लेखन और वाणी दोनों को गौरवान्वित करती है हिंदी. एम ए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा डिलेश्वरी साहू ने मंचासीन छात्रों का आभार व्यक्त किया. कुंती सिदार, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, पुष्पा नागवंशी, विनायक पटेल, कौशल दास के व्यवस्थापन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभागीय एवं अन्य छात्रों पुष्पा नागवंशी, मनोज कुमार बैगा, कौशल दास, विनायक पटेल, निशा सिदार, कुंती सिदार, राजकुमारी सिदार, देवलता साहू, डिगेश्वरी दर्शन, कविता यादव, रेशमा महंत, संध्या जायसवाल, अंजुलता, शिवानी, प्रीति राठिया, नर्मदा राठिया, डिलेश्वरी साहू, तोष कुमारी साहू, उमा साहू, जीतू जोशी, सुनीता राठिया और यामिनी राठौर आदि की सक्रिय उपस्थिति रही.